N (Printed Pages 4)

(20317) Roll No. .....

B.A. II Year

# US-4966

## B.A. (Annual) Examination, 2017

### हिन्दी - III

### आधुनिक हिन्दी काव्य

### (A-213)

*Time : Three Hours ]* *[ Maximum Marks : 50*

**नोट :** इस प्रश्न-पत्र को **पाँच** खण्डों-अ, ब, स, द तथा इ में विभाजित किया गया है। खण्ड-अ (**लघु उत्तरीय प्रश्न**) में एक लघु उत्तरीय प्रश्न है, जिसके **दस** भाग हैं। ये **सभी दस** भाग **अनिवार्य** हैं। खण्डों-ब, स, द तथा इ (**विस्तृत उत्तरीय प्रश्न**) प्रत्येक में **दो** प्रश्न हैं। प्रत्येक खण्ड से **एक** प्रश्न करना है। विस्तृत उत्तर अपेक्षित है।

### खण्ड - अ

### (लघु उत्तरीय प्रश्न)

1. निम्नलिखित **सभी** प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए: $2 \times 10 = 20$

(i) मैथिलीशरण गुप्त के किन्हीं दो महाकाव्यों के नाम लिखिये।

(ii) 'अरुण यह मधुमय देश हमारा' गीत किस रचनाकार के किस नाटक में संकलित है?

(iii) सरोज-स्मृति गीत के रचनाकार का नाम लिखते हुए उसके काव्य सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

(iv) 'नौका विहार' कविता के रचनाकार का नाम लिखते हुए उनकी दो काव्य कृतियों के नाम लिखिये।

(v) महादेवी वर्मा की कविता में गीतितत्व की प्रधानता है इस कथन पर संक्षेप में प्रकाश डालिये।

(vi) 'राजर्षि-अभिनन्दन' कविता में कवि ने किसका अभिनन्दन किया है?

(vii) श्रीधर पाठक की दो प्रमुख कृतियों के नाम लिखिये।

(viii) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' के प्रमुख काव्य संग्रहों के नाम लिखिये।

(ix) माखन लाल चतुर्वेदी को किन - किन नामों से पुकारा जाता है?

(x) 'वीरों का कैसा हो बसन्त' कविता की कवयित्री का संक्षिप्त परिचय दीजिये।



### खण्ड - ब

2. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 7½

"वन में तनिक तपस्या करके
बनने दो मुझको निज योग्य,
भाभी की भगिनी, तुम मेरे
अर्थ नहीं केवल उपभोग्य।"

"हा स्वामी कहना था क्या-क्या

कह न सकी कर्मों का दोष।
पर जिसमें सन्तोष तुम्हें हो
मुझे उसी में है सन्तोष।"

**अथवा**

3. इस करूणा कलित हृदय में 7½
अब विकल रागिनी बजती
क्यों हाहाकार स्वरों में
वेदना असीम गरजती?
मानस सागर के तट पर
क्यों लोल लहर की घातें
कल-कल ध्वनि से है कहती
कुछ विस्मृत बीती बातें?

**खण्ड - स**

4. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 7½

स्तब्ध ज्योत्सना में जब संसार
चकित रहता शिशु - सा नादान,
विश्व के पलकों पर सुकुमार
विचरते हैं जब स्वप्न अजान,
न जाने, नक्षत्रों से कौन
निमन्त्रण देता मुझको मौन।।
सघन मेघों का भीमाकाश
गरजता है जब तमसाकार
दीर्घ भरता समीर निःश्वास,



प्रखर झरती जब पावस धार
न जाने तपक तड़ित में कौन
मुझे इंगित करता तब मौन।।

**अथवा**

5. परम्परा जब लुप्त होती है, 7½
सभ्यता अकेलेपन के
दर्द से मरती है।
कलमें लगाना जानते हो
तो जरूर लगाओ
मगर ऐसे कि फलों में
अपनी मिट्टी का स्वाद रहें।
और यह याद रहे
कि परम्परा चीनी नहीं, मधु है।

**खण्ड - द**

**नोट** : निम्नलिखित में से किसी **एक** का विस्तृत उत्तर दीजिए। 7½

6. मैथिलीशरण गुप्त की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।
7. जयशंकर प्रसाद छायावाद के प्रतिनिधि कवि हैं। इस कथन की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

**खण्ड - इ**

**नोट** : निम्नलिखित में से किसी **एक** का विस्तृत उत्तर दीजिए। 7½

8. महादेवी वर्मा विरह वेदना की कवयित्री हैं। इस कथन की समीक्षा कीजिए।
9. निराला क्रान्तिकारी कवि हैं। इस कथन की समीक्षा कीजिए।